

**How Much Patience Do You Need**  
**To Be Like Jesus?**

How Much ... - (# 5)

September 6, 2020

**TEXT:** 2 Corinthians 6:1-10

**KEY VERSE:** 2 Peter 3:9

[2 Peter 3:9](#) The Lord is not slack concerning his promise, as some men count slackness; but is longsuffering to us-ward, not willing that any should perish, but that all should come to repentance.

Living like Christ is the best way to lead people to the Saviour.

1) Now Is \_\_\_\_\_.

2) As The \_\_\_\_\_ Of \_\_\_\_\_.

3) By \_\_\_\_\_, By \_\_\_\_\_.

**Text:**  
**2 Corinthians 6:1-10**

**Key Verse:**  
**2 Peter 3:9**

1

---

---

---

---

---

---

---

---

1

***Key Verse:***

**The Lord is not slack concerning his promise,  
as some men  
count slackness;  
but is longsuffering  
to us-ward,  
not willing that any  
should perish,  
but that all should  
come to repentance.  
(2 Peter 3:9)**

2

---

---

---

---

---

---

---

---

2

**Christian means  
"Christ-Like."**

**Our job is  
to present Christ  
to the world.**

3

---

---

---

---

---

---

---

---

3

Remain faithful  
and people  
will be pointed  
to the Saviour.

4

4

---

---

---

---

---

---

---

---

***How Much Patience***  
***Do You Need To Be Like Jesus?***  
***How Much ... (# 5)***

5

5

---

---

---

---

---

---

---

---

***J - O - Y***

**Jesus First,  
Others Second,  
Yourself Last.**

6

6

---

---

---

---

---

---

---

---

**3 Knowing this,  
that the trying of your faith  
worketh patience.  
4 But let patience have her perfect work,  
that ye may be perfect and entire,  
wanting nothing.  
(James 1:3-4)**

7

7

---

---

---

---

---

---

---

---

**Living like Christ  
is the best way  
to lead people  
to the Saviour.**

8

8

---

---

---

---

---

---

---

---

**1) Now Is The Day Of Salvation.**

9

9

---

---

---

---

---

---

---

---

**(For he saith,  
I have heard thee in a time accepted,  
and in the day of salvation  
have I succoured thee:  
behold, now is the accepted time;  
behold, now is the day of salvation.)  
(2 Corinthians 6:2)**

10

10

---

---

---

---

---

---

---

---

**It is time to get busy,  
introducing people  
to the Savior.**

11

11

---

---

---

---

---

---

---

---

**God is patient  
with us,  
extending mercy  
and forgiveness.**

12

12

---

---

---

---

---

---

---

---

**The LORD is longsuffering,  
and of great mercy,  
forgiving iniquity and transgression,  
and by no means clearing the guilty,  
visiting the iniquity of the fathers  
upon the children unto  
the third and fourth generation.  
(Numbers 14:18)**

13

13

---

---

---

---

---

---

---

---

**But thou, O Lord,  
art a God full of compassion,  
and gracious, longsuffering,  
and plenteous in mercy and truth.  
(Psalm 86:15)**

14

14

---

---

---

---

---

---

---

---

**As we follow  
our Savior,  
we should be more  
and more patient  
toward other people.**

15

15

---

---

---

---

---

---

---

---

**Howbeit for this cause I obtained mercy,  
that in me first Jesus Christ  
might shew forth all longsuffering,  
for a pattern to them  
which should hereafter  
believe on him to life everlasting.  
(1 Timothy 1:16)**

16

16

---

---

---

---

---

---

---

---

**How we respond  
to the Word,  
determines our  
eternal future.**

17

17

---

---

---

---

---

---

---

---

**But that on the good ground are they,  
which in an honest and good heart,  
having heard the word, keep *it*,  
and bring forth fruit with patience.  
(Luke 8:15)**

18

18

---

---

---

---

---

---

---

---

**1) Now Is The Day Of Salvation.**

**2) As The Ministers Of God.**

19

---

---

---

---

---

---

---

---

**But in all things approving ourselves  
as the ministers of God,  
in much patience, in afflictions,  
in necessities, in distresses,  
(2 Corinthians 6:4)**

20

---

---

---

---

---

---

---

---

**If you are  
a child of God,  
you are  
a minister of God.**

21

---

---

---

---

---

---

---

---



**You are either  
witnessing  
for the Lord,  
or you are  
witnessing  
for the devil.**

22

22

---

---

---

---

---

---

---

---

**Preach the word;  
be instant in season, out of season;  
reprove, rebuke, exhort with  
all longsuffering and doctrine.  
(2 Timothy 4:2)**

23

23

---

---

---

---

---

---

---

---

**Pray for, witness to,  
and serve others  
as you minister  
for the Lord.**

24

24

---

---

---

---

---

---

---

---

**Truly the signs of an apostle were wrought among you in all patience, in signs, and wonders, and mighty deeds.  
(2 Corinthians 12:12)**

25

25

---

---

---

---

---

---

---

---

**That the aged men be sober, grave, temperate, sound in faith, in charity, in patience.  
(Titus 2:2)**

26

26

---

---

---

---

---

---

---

---

**Be steadfast, faithful, and true for the Lord.**

27

27

---

---

---

---

---

---

---

---

**That ye be not slothful,  
but followers of them  
who through faith and patience  
inherit the promises.  
(Hebrews 6:12)**

28

28

---

---

---

---

---

---

---

---

***References***

**James 5:10-11**

29

29

---

---

---

---

---

---

---

---

**1) Now Is The Day Of Salvation.**

**2) As The Ministers Of God.**

**3) By Longsuffering,  
By The Holy Ghost.**

30

30

---

---

---

---

---

---

---

---

**By pureness, by knowledge,  
by longsuffering, by kindness,  
by the Holy Ghost, by love unfeigned,  
(2 Corinthians 6:6)**

31

31

---

---

---

---

---

---

---

---

**The Holy Ghost  
will give you  
the patience you need  
to complete  
the task at hand,  
with an unlimited  
amount of love.**

32

32

---

---

---

---

---

---

---

---

**Which sometime were disobedient,  
when once the longsuffering of God  
waited in the days of Noah,  
while the ark was a preparing,  
wherein few, that is,  
eight souls were saved by water.  
(1 Peter 3:20)**

33

33

---

---

---

---

---

---

---

---

**Don't lose  
your temper,  
your focus,  
your testimony,  
or your salvation.**

34

34

---

---

---

---

---

---

---

---

**In your patience  
possess ye your souls.  
(Luke 21:19)**

35

35

---

---

---

---

---

---

---

---

**Don't  
ask for patience,  
simply  
remain patience  
as you wait  
on the Lord.**

36

36

---

---

---

---

---

---

---

---

**3 And not only so,  
but we glory in tribulations also:  
knowing that tribulation worketh patience;  
4 And patience, experience;  
and experience, hope:  
(Romans 5:3-4)**

37

37

---

---

---

---

---

---

---

---

**But they that wait upon the LORD  
shall renew their strength;  
they shall mount up with wings as eagles;  
they shall run, and not be weary;  
and they shall walk, and not faint.  
(Isaiah 40:31)**

38

38

---

---

---

---

---

---

---

---

**For whatsoever things were written  
aforetime were written for our learning,  
that we through patience and comfort  
of the scriptures might have hope.  
(Romans 15:4)**

39

39

---

---

---

---

---

---

---

---

**Remembering  
without ceasing your work of faith,  
and labour of love, and patience of hope  
in our Lord Jesus Christ,  
in the sight of God and our Father;  
(1 Thessalonians 1:3)**

40

40

---

---

---

---

---

---

---

---

**This is about  
having patience,  
not  
praying for patience.**

41

41

---

---

---

---

---

---

---

---

***References***

**1 Timothy 6:11**

**2 Timothy 3:10**

42

42

---

---

---

---

---

---

---

---

**After you do  
the Will of God,  
wait for His promise.**

43

43

---

---

---

---

---

---

---

---

**For ye have need of patience,  
that, after ye have done the will of God,  
ye might receive the promise.  
(Hebrews 10:36)**

44

44

---

---

---

---

---

---

---

---

**Wherefore seeing we also are compassed  
about with so great a cloud of witnesses,  
let us lay aside every weight,  
and the sin which doth so easily beset us,  
and let us run with patience  
the race that is set before us,  
(Hebrews 12:1)**

45

45

---

---

---

---

---

---

---

---



**Strengthened with all might,  
according to his glorious power,  
unto all patience and longsuffering  
with joyfulness;  
(Colossians 1:11)**

46

46

---

---

---

---

---

---

---

---

**Think about others,  
the way God  
thinks about you.**

47

47

---

---

---

---

---

---

---

---

**Now the God of patience and consolation  
grant you to be likeminded  
one toward another  
according to Christ Jesus:  
(Romans 15:5)**

48

48

---

---

---

---

---

---

---

---

***Concluding Scripture:***

For I know the thoughts that I think toward you, saith the LORD, thoughts of peace, and not of evil, to give you an expected end. (Jeremiah 29:11)

49

49

---

---

---

---

---

---

---

---

How much patience do you need to be like Jesus?

Enough to sacrifice so others may be saved.

50

50

---

---

---

---

---

---

---

---

1) Now Is The Day Of Salvation.

2) As The Ministers Of God.

3) By Longsuffering,  
By The Holy Ghost.

51

51

---

---

---

---

---

---

---

---

**Living like Christ  
is the best way  
to lead people  
to the Saviour.**

52

52

---

---

---

---

---

---

---

---